कम्प्यूटर शाला

नासा द्वारा संस्कृत को कम्प्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा बताया गया है क्योंकि संस्कृत भाषा के शब्दों का अर्थ वाक्यविन्यास बदलने पर भी नहीं बदलता है तथा कम शब्दों में भी अर्थ पुष्ट होता है। भविष्य में कम्प्यूटर के लिए संस्कृत भाषा की महत्ता को स्वीकार करते हुए मणिकांचन-संयोग के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर ज्ञान कराने के लिए 'पीजीडीसीए' डिप्लोमा कोर्स प्रारम्भ किया गया है। इसके लिए कम्प्यूटर प्रयोगशाला में प्रोग्रामर और दक्ष प्रशिक्षकों सहित कम्प्यूटर व सहयोगी संसाधन उपलब्ध हैं। आधुनिक समय में कम्प्यूटर की महत्ता को ध्यान में रखते हुए 'पीजीडीसीए' कोर्स संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए वरदान सिद्ध हुआ है तथा विद्यार्थियों में आधुनिकता की अभिवृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों हेतु 12,000 रुपये के स्थान पर आधे शुल्क में ही पीजीडीसीए - डिप्लोमा की व्यवस्था है।

कम्प्यूटर शिक्षा के लाभ -

यह कोर्स हमें संस्कृत विषय के साथ-साथ एक नवीन कार्य/रोजगार क्षेत्र प्रदान करता है। पी.जी.डी.सी.ए. उत्तीर्ण छात्र को राजकीय सेवाओं में Informatic Assistant (IA) के पद हेतु योग्य माना जाता है। पी.जी.डी.सी.ए. उत्तीर्ण छात्र राजकीय विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं साथ ही केन्द्रीय विद्यालयों में TGT अध्यापक बनने के लिए उक्त डिप्लोमा की आवश्यकता होती है। छात्र निजी महाविद्यालयों, विद्यालयों में अध्यापक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर का कार्य करने में सक्षम होते हैं। ये निजी क्षेत्रों में सहायक प्रोग्रामर (Assistant Programmer) का दायित्व भी निभा सकते हैं। पी.जी.डी.सी.ए. अथवा संयुक्ताचार्य में वैकल्पिक विषय कम्प्यूटर के साथ उत्तीर्ण छात्र कम्प्यूटर क्षेत्र में स्वयं का निजी प्रतिष्ठान भी संचालित कर सकते हैं, विभिन्न कलर लैब में, प्राइवेट कम्पनी, लि. फर्म, निजी कार्यालय, कम्प्यूटर में टंकण कार्य करने वाली विभिन्न प्रेस पर कार्य कर सकते हैं।

प्रभारी

श्री कुलदीप तिवाड़ी
कम्प्यूटर प्रोग्रामर
9928700607